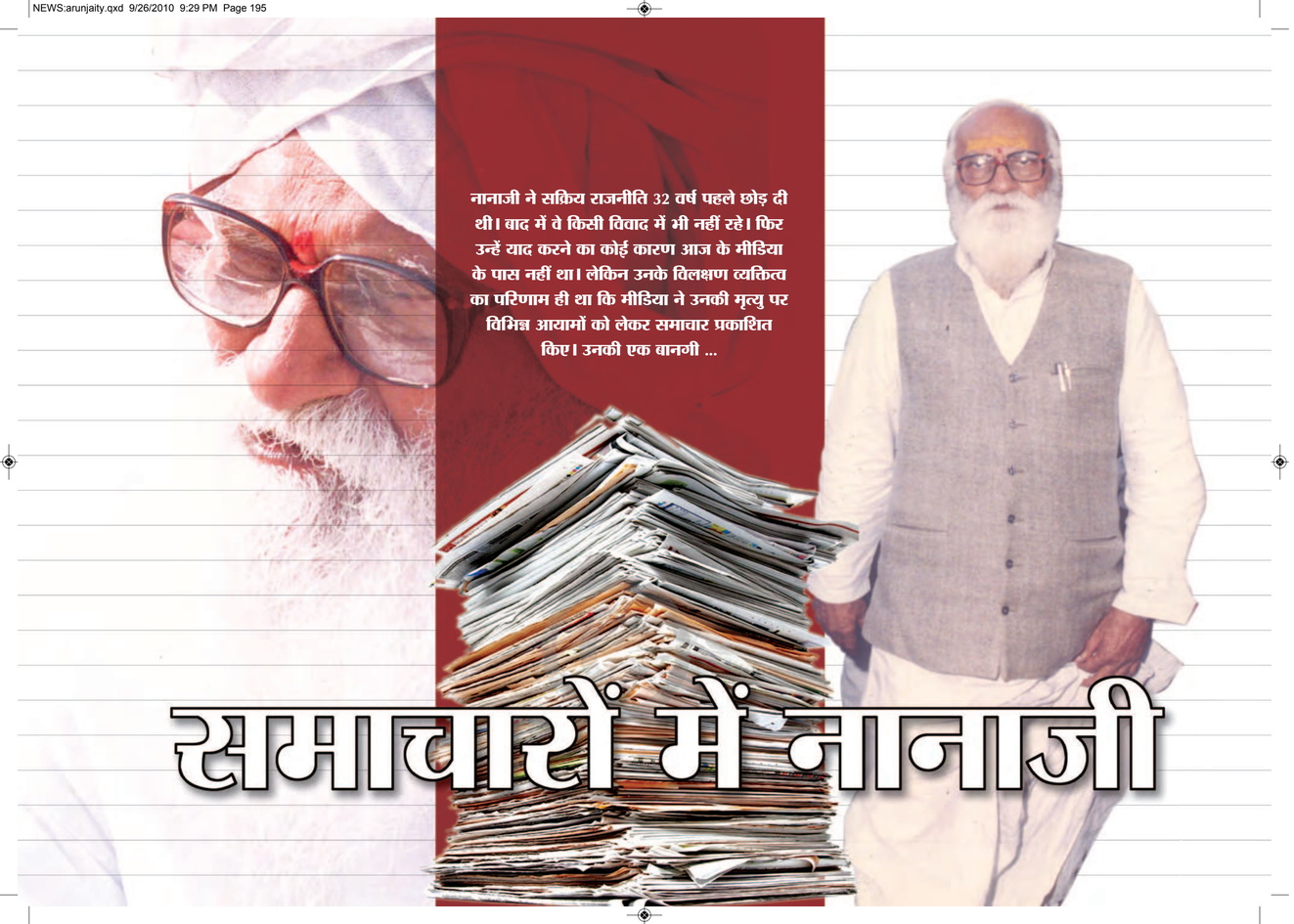

नानाजी ने सक्रिय राजनीति 32 वर्ष पहले छोड़ दी थी। बाद में वे किसी विवाद में भी नहीं रहे। फिर उन्हें याद करने का कोई कारण आज के मीडिया के पास नहीं था। लेकिन उनके विलक्षण व्यक्तित्व का परिणाम ही था कि मीडिया ने उनकी मृत्यु पर विभिन्न आयामों को लेकर समाचार प्रकाशित किए। उनकी एक बानगी ...

समाचारों में नानाजी